शहरी मितानिन विशेषांक अंक-11/नवम्बर-2022

मितानिन पाती

मितानिन की बातें-मितानिन की ख़बरें

परिकल्पना एवं निर्माण : राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़

मितानिन दिवस - 2022

वार्ड नंबर 26 व 27 के मितानिन दीदियो का पार्षद पिंकी विमल यादव ने किया सम्मान

रायगढ़@किरणदूत

मितानिन दिवस के अवसर पर रायगढ़ नगर निगम के वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद पिंकी विमल यादव के द्वारा वार्ड क्रमांक 26 व 27 के मितानिन दीदियो का सम्मान समारोह स्थानीय हरीतिमा पार्क अतरमुड़ा में आयोजित किया गया जिसमे मितानिन दीदियो में शैलेन्द्री सिदार, शब्या डनसेना, सुषमा डनसेना, किरण दुबे, हेमलता साहू, सरस्वती दास, यशोमति जी, मीरा चौहान, सेतकुमारी साहू, ललिता चौहान का सम्मान वार्ड क्रमांक 26 की पार्षद पिंकी विमल यादव एवं वार्ड क्रमांक 26 राजीव युवा मितान क्लब की अध्यक्ष सुश्री अलका यादव एवं सचिव सुश्री रश्मि बैरागी के द्वारा किया गया वार्ड पार्षद पिंकी विमल यादव ने उपस्थित मितानिन दीदियो को उद्बोधन में बताया की हमारी मितानिन दिदिया जिस सेवा भाव से लोगो की समस्या का निपटारा करते हुए उन्हें रहत पहुंचाते है वो तारीफ के काबिल है मितानिन दीदियो को उनके सेवा भावी कार्यो के लिए उन्हें धन्यवाद देकर उनका आभार व्यक्त किया उक्त कार्यक्रम के समय मुख्य रूप से पार्षद प्रतिनधि विमल यादव युवा कांग्रेस नेता कौशिक भौमिक, बिट्टू बरेठ, शिव चौहान उपस्थित रहे.

शहर के अनेक वार्ड की मितानिनों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शहर के वार्ड क्रमांक 4, 5, 6, 7 एवं 8 के मितानिन का सम्मान संतोषी मंदिर नयापारा सामाजिक भवन में किया गया। अतिथि के रूप में खिलावन बघेल शहर अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ शासन बोर्ड उपाध्यक्ष एवं मीना वर्मा वार्ड पार्षद द्वारा वार्ड के मितानिन चमेली निर्मलकर, राजवती साहू, पार्वती गोस्वामी, लक्ष्मी यादव, सुषमा नायक, उषा पटेल, उमे सलमा, अनीता ठाकुर, मंजू ध्रुव, पिंकी साहू, विशाखा ध्रुव, अमेरिका मानिकपुरी को डायरी, पेन एवं श्रीफल भेंट स्वरूप प्रदान कर गुलाल का टीका लगाकर सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि खिलावन बघेल ने कहा कि मोहल्ले की गर्भवती महिला एवं बीमार नागरिक एवं बच्चों का सर्वोत्तम देखभाल का जिम्मा आज मितानिनों के कंधे पर है। आज अस्वस्थ व्यक्ति का अच्छे से इलाज कराने के लिए जो जागरूकता अभियान मितानिन अपने वार्ड में करती है। जिसके कारण अस्पताल और मरीज के बीच की दूरी कम हो गई है। पहले के दौर पर जब कोई दो सहेली संबंधों से भी ज्यादा मजबूत हो जाती थी तो 2 महिलाएं मिलकर एक दूसरे की मितानिन बन जाती थी। वही आज अस्पताल और नागरिकों के बीच की दूरी कम करने के लिए मितानिन अपने घर परिवार की चिंता किए बिना मरीजों की सेवा में लगी हुई है, जो कि पुण्य का काम है। वरिष्ठ पार्षद मीना वर्मा ने कहा कि वार्ड के नागरिकों खासकर महिलाओं एवं बच्चों की स्वास्थ्य की स्थिति जो सुधरी है उसके लिए सभी मितानिन बधाई के पात्र हैं। भविष्य में भी इसी लगन के साथ वार्ड में काम करते रहे। लोगों को लाभ मिलता रहे। संचालन चमेली निर्मलकर एवं आभार प्रदर्शन राजवती साहू ने किया।

अस्पताल में मितानिनो का सम्मान

धमतरी। इतवारी बाजार स्थित शासकीय अस्पताल में बुधवार 23 नवंबर को मितानिन दिवस पर शहरी मितानिनो का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आईएमओं डा.रेहाना कदीर, डॉ पूजा जैन, डा.नीरजा, डीपएम, सीपीएम श्वेता, मनोज वाधवानी, रूपम एवं समस्त स्टाफ यूपीएचसी एएनएम, हमर क्लिनिक स्टाफ द्वारा मितानिन मुक्ति रानी, शांता ध्रुव, मंजू मिश्रा, [illegible] पाहू हेमा साहू, ममता रोमी, बुधवंतीन [illegible] सम्मान किया गर

समूह की महिलाओं ने मितानिन का किया सम्मान

कांकेर| महिला आरोग्य समिति एमजी वार्ड व टिकरापारा द्वारा मितानिन दिवस पर मितानिन लक्ष्मी कावड़े का सम्मान किया। समूह की महिलाओं ने बड़े शीतला मंदिर के पास मितानिन लक्ष्मी कावड़े को तिलक लगा व श्रीफल व शाल भेंटकर सम्मान किया। समिति अध्यक्ष शशि ठाकुर ने कहा मितानिन स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ है। वे गांव-मोहल्लों में जरूरत के समय तुरंत पहुंचकर लोगों की मदद करती हैं। उनके निस्वार्थ सेवा की जितनी भी तारीफ की जाए कम हैं। इस दौरान समूह की सरिता कुलदीप, इंदू यादव, शैल सेन, सविता ठाकुर, तुलसी गजबिए, सीमा पांडेय, सुमित्रा नेताम, स्वाति सोनी आदि उपस्थित थे।

भाटापारा

दुर्ग

चरौदा

बीरगांव (प्रखर)। मितानिन दिवस के अवसर पर बीरगांव निगम क्षेत्र के वार्ड क्रं 24,25,28,29 की मितानिन बहनों का सम्मान महापौर नंदलाल देवांगन के हाथों से श्रीफल गुलाल लगाकर किया गया साथ ही उन्हें साड़ी भेंट की गई पिछले कोरोना काल में बीरगांव निगम क्षेत्र की मितानिन बहनों ने बिना डर भय के दिनरात मेहनत कर कोरोना मरीजों की मदद कर मरीजों को हॉस्पिटल पहुंचाने का काम किये जिससे कोरोना मरीज की जान बचाई गई। इस कार्यक्रम में एम.आई.सी सदस्य इकराम अहमद, पार्षद डिकेंद्र [illegible], एल्डरमैन मोहम्मद फिरोज, अनीता शर्मा, देवकी पांडेय, [illegible] ओझरी, [illegible], आजाद, रोहित [illegible], [illegible] साथ साथ वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वार्ड नंबर एक में मितानिनों को किया सम्मानित

राजनांदगांव| बजरंगपुर नवागांव वार्ड नंबर 1 बजे मितानिनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्षद राजा तिवारी ने सभी मितानिनों को शॉल और श्रीफल भेंट किया। कार्यक्रम में टिलेश्वरी साहू, मोना सिंह राजपूत, उर्मिला साहू, उपासना टुरहाटे, प्रेरक प्रभा यादव, देवकी वर्मा, सुशीला वर्मा और लता साहू मौजूद रहे।

रावाभाठा में हुआ में मितानिनों का सम्मान

बीरगांव (प्रखर)। बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 में मितानिन दिवस के अवसर पर पर मितानिन दीदियों का सम्मान किया गया कार्यक्रम का आयोजन वार्ड पार्षद ओमप्रकाश साहू के द्वारा आयोजित किया गया रावाभाठा में कल वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 के मितानिनो का सम्मान किया गया इस दौरान पार्षद ओमप्रकाश साहू ने मितानिनो को श्रीफल एवं साड़ी भेंट किया इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम के महापौर नंद लाल देवांगन उपस्थित थे।

रायपुर

कवर्धा

जगदलपुर

धमतरी

राजनांदगांव

रायगढ़

महासमुंद

जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मितानिनों के द्वारा किये गये प्रयास

मितानिन के प्रयास से सिकलिंग की गंभीर मरीज का इलाज हुआ (वार्ड-11 भगत चौक, जांजगीर चांपा)

पारा की मितानिन को एक दिन पता चला की पारा में सिकलिंग पीड़ित 5 वर्षीय बच्ची की तबियत बहुत खराब है। पीलिया हो गया है। बच्ची के परिवार वाले उसका झाड़फूंक करवा रहे थे। मितानिन दूसरे दिन बच्ची को अपने साथ यू.पी.एच.सी. ले गई और खून जांच करवाई। जांच में सिर्फ 6 ग्राम खून होने की जानकारी मिली। डॉक्टर ने बच्ची को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में फिर से बच्ची की जांच की गयी जिसमें 5 ग्राम खून निकला। डॉक्टर ने बच्ची को भर्ती किया और खून चढ़ाना पड़ेगा बोले। मितानिन ने खून के लिए पता किया तो जिला अस्पताल में बोले कि कोई ब्लड डोनेट करेगा तब बदले में ब्लड मिलेगा। मितानिन सिविल सर्जन के पास गयी और बोली कि सर सिकल सेल के मरीजों का मुफ्त इलाज होता है और जिला अस्पताल में ब्लड के बदले में ब्लड देने की बात बोल रहे हैं। सिविल सर्जन ने ब्लड वालों के लिए एक पर्ची में मितानिन को ब्लड देने के लिए लिख कर दिया। बच्ची को ब्लड चढ़ाया गया और दूसरे दिन बच्ची का ब्लड जांच किये तो 9 ग्राम खून निकला। 2 दिन बाद बच्ची की छुट्टी की गयी। बच्ची उस दिन के बाद से खाना अच्छे से खा रही है और चलती फिरती है।

रूखमनी राठौर-मितानिन

महिलाओं की समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए (वार्ड-10, रायगढ़)

पारा में एक शिशुवती महिला है जिसका 1 माह का बच्चा है। महिला को सफेद पानी जाने की समस्या हो रही थी। महिला ने अपने पारा की मितानिन से अपनी समस्या बताई। मितानिन ने महिला को अस्पताल में इलाज के लिए चलने के लिए कहा परन्तु महिला ने बोला कि वह अपने पति से बात कर बताएगी। ऐसे ही एक सप्ताह निकल गया। महिला की समस्या और गंभीर हो गयी थी। महिला को अब सफेद पानी की जगह खून निकलने लगा था। मितानिन को जब पता चला तो वह महिला और उसके पति दोनों को समझाई की जल्दी से जांच नहीं करवाए तो गंभीर बीमारी हो सकती है। मितानिन महिला को अपने साथ अस्पताल लेकर गयी। अस्पताल में महिला की जांच की गयी और सोनोग्राफी करवाया गया। सोनोग्राफी की रिपोर्ट के बाद डॉक्टर ने दवा चालू की। नियमित दवा खाने से महिला अभी ठीक है।

चमेली निषाद-मितानिन

नवजात के नाक कान में तेल डालना सुरक्षित नहीं होता है (वार्ड मनगांव मोहल्ला, कोरबा)

वार्ड में पल्स पोलियो अभियान के दौरान एक महिला अपने 15 दिन के बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने आई थी। पोलियो की खुराक बच्चे को पिलाने के कुछ समय बाद बच्चा एकदम सुस्त, बेहोश और सांस भी नहीं ले पा रहा था। बच्चे की मां घबरा गयी और परिवार वाले झाड़फूंक करवाने लग गए। पारा की मितानिन तुरंत बच्चे को देखने गयी। परिवार वाले मितानिन पर गुस्सा करने लग गए और बोले की तुम लोगों ने मेरे बच्चे के साथ क्या कर दिया, अगर बच्चे को कुछ हो गया तो थाने में केस कर देंगे। मितानिन बहुत डर गयी और उसने ए.एन.एम. व सुपरवाईजर को फोन कर 108 गाड़ी को बुलाया। 108 गाड़ी में मितानिन भी बच्चे के साथ जिला अस्पताल गयी। बच्चे को तुरंत एस.एन.सी.यू. में भर्ती किया गया। डॉक्टर ने परिवार वाले से बच्चे की तबियत के बारे में पूछा तो पता चला की परिवार वाले बच्चे की सुबह–शाम सेकाई कर रहे थे और उसके नाक और कान में 2–3 बूंद तेल भी डाल रहे थे। तेल डालने की वजह से कफ जम गया था और बच्चा सांस नहीं ले पा रहा था। डॉक्टर ने परिवार वालों को बहुत डांटा और नाक–कान में तेल डालने से मना किया। डॉक्टर की बात सुनने के बाद बच्चे के परिवार वालों ने मितानिन से माफी मांगी।

सुरजा कुर्रे-मितानिन

मितानिन के प्रयास से सरकारी अस्पताल में हुआ महिला का सुरक्षित गर्भपात (काली माई वार्ड क्र.14, मुंगेली)

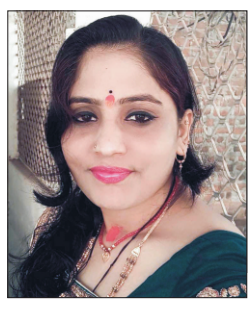

पारा की एक 24 वर्षीय महिला 4 माह की गर्भवती थी। एक दिन उनको अचानक से खून जाने लगा। उसने अपने पारा की मितानिन ज्योति को बताया। मितानिन महिला को तुरंत जिला अस्पताल लेकर गयी। जिला अस्पताल में जांच में पता चला की महिला का बच्चा पेट में ही खराब हो गया है और इसका गर्भपात कराना होगा। मितानिन ने महिला और उसके पति से बात की। वे लोग गर्भपात करवाने के लिए जिला अस्पताल गये। अस्पताल में नर्स और डॉक्टर ने मितानिन को बोला की गर्भपात में माता की जान को खतरा होता है। डॉक्टर ने बोला कि हम रेफर का कागज बना देते हैं तुम मरीज को निजी अस्पताल लेकर जाओ। मितानिन को यह बात सुनकर बहुत गुस्सा आया। मितानिन ने नर्स और डॉक्टर को बोला कि मरीज एक गरीब महिला है इसलिए मरीज को निजी अस्पताल नहीं लेकर गये। आपको ही उसका गर्भपात करना पड़ेगा। मितानिन की बात सुनने के बाद नर्स और डॉक्टर ने महिला का गर्भपात किया।

ज्योति किरण राजपूत-मितानिन

मितानिनों के द्वारा बुजुर्गों की सहायता के प्रयास

बुजुर्ग का सहारा बनी मितानिन (वार्ड-14 , नूतन चौक , भिलाई 3 चरोदा)

पारा में एक 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला दरगाह के पास भीख मांग कर अपना और अपने बच्चे का गुजारा करती है। महिला का बेटा मानसिक रूप से विकलांग हैं जिसकी देखभाल मां ही करती है। महिला को कोरोना के समय बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा था। जब भी वह भीख मांगने जाती थी उसे भगा दिया जाता था। पारा की मितानिन को जब बुजुर्ग महिला के बारे में पता चला तो उसने एक संस्था से भोजन की व्यवस्था करवाई थी जिसकी वजह से कोरोना काल में उसे भोजन के लिए भटकना नहीं पड़ा। वर्तमान में महिला को 8–9 माह से पेंशन नहीं मिल रही थी। मितानिन निगम में जाकर इस बारे में बात की तो पता चला कि पेंशन बैंक में भेज दिए हैं। मितानिन ने बैंक के 3–4 चक्कर काटे तब जाकर महिला का पेंशन मिलना चालू हुआ। बुजुर्ग महिला को पेंशन मिलने से बहुत राहत मिली।

नूतन तिवारी-मितानिन

समय पर शुगर जांच कर मितानिन ने मरीज की जान बचायी (वार्ड-31, ढोल चौक, रिसाली बस्ती)

रिसाली की मितानिन रूपा हरदेल एक दिन परिवार भ्रमण के दौरान एक बुजुर्ग व्यक्ति से मिली। बुजुर्ग व्यक्ति के पैर में एक घाव हो गया था जो की ठीक ही नहीं हो रहा था। मितानिन ने बुजुर्ग व्यक्ति को टीकाकरण के दिन बुलाया और उनके शुगर की जांच की। बुजुर्ग व्यक्ति का शुगर 400 निकला। मितानिन और ए.एन.एम. ने बुजुर्ग व्यक्ति को सरकारी अस्पताल में मुफ्त में इलाज के बारे में जानकरी दी और चलने के लिए कहा परन्तु वो नहीं माने और सेक्टर 9 अस्पताल चले गए। सेक्टर 9 अस्पताल में भी जांच किये तो बुजुर्ग व्यक्ति का शुगर बढ़ा हुआ आया। डॉक्टर ने उन्हें बोला कि अच्छा हुआ आप समय पर आ गए नहीं तो आपको कुछ भी हो सकता था। बुजुर्ग व्यक्ति को तुरंत भर्ती कर घाव का ऑपरेशन किया गया और शुगर का इलाज चालु किया गया। बुजुर्ग व्यक्ति अभी स्वस्थ हैं और मितानिन के समझाने पर वे अब सरकारी अस्पताल से बी.पी. और शुगर की दवा ले रहे हैं।

रूपा हरदेल-मितानिन

मितानिन ने मलेरिया के मरीज की सही समय पर पहचान कर इलाज किया (जवाहर नगर वार्ड-5, कांकेर)

जवाहर नगर की मितानिन सावित्री परिवार भ्रमण के दौरान एक परिवार में एक बुजुर्ग पुरुष से मिली। बुजुर्ग बहुत बीमार था और बिस्तर पर लेटा हुआ था और अपना कुछ भी काम खुद से नहीं कर पा रहा था। मितानिन के साथ ए.एन.एम. भी थी उन्होंने बुजुर्ग की मलेरिया जांच की। जांच में पी.एफ. मलेरिया निकला। मितानिन ने बुजुर्ग के घर वालों को बुजुर्ग को इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के लिए बोली और पड़ोस के घर मिलने चली गयी। पड़ोस वालों ने बातचीत में बताया की बुजुर्ग जिसका मलेरिया निकला है उसके घर वाले उसे अस्पताल नहीं ले जाएंगे। मितानिन और ए.एन.एम. फिर से बुजुर्ग के घर गए और मलेरिया की दवाई का पूरा डोज उसके घर वालों को देकर समझाए की बुजुर्ग को खाना खिलाने के बाद ही यह दवा खिलाना और दवा का डोज पूरा करना है। परिवार वालों ने मितानिन की निगरानी में बुजुर्ग को दवा की पूरी डोज खिलाई और अब वह बुजुर्ग स्वस्थ है और उठने बैठने के साथ ही चलता भी है।

सावित्री यादव-मितानिन

मितानिन ने बुजुर्ग महिला के गुटखा खाने से हुए मुंह के घाव का इलाज करवया (वार्ड-29, बिरगांव)

पारा की मितानिन पूर्णिमा के घर के पास एक 68 वर्षीय कामकाजी बुजुर्ग महिला की तबियत ठीक नहीं थी। मितानिन ने उसके बेटे से बात की तो उसने बताया 3 दिन से खाना नहीं खा रही है। बुजुर्ग महिला का चेहर सुजा हुआ था। मितानिन ने बुजुर्ग महिला के बेटे को उसे मेकाहारा ले जाने के लिए समझाया। मितानिन ने 108 गाड़ी को फोन किया और बुजुर्ग महिला और बेटे के साथ मेकाहारा गयी। मेकाहारा में बुजुर्ग महिला के मुंह का एक्सरे किया गया। एक्सरे में पता चला की बहुत ज्यादा गुटखा खाने की वजह से मुंह में फोड़ा हो गया है और उसमें मवाद भर गया है। डॉक्टर ने बताया की घाव में चीरा लगा कर मवाद निकालना पड़ेगा। मितानिन ने बुजुर्ग महिला के बेटे को बुलाया और सब बताया तो वह कमरे से बाहर यह बोल कर निकल गया की वह यह सब नहीं देख सकता। मितानिन बुजुर्ग महिला के साथ चीरा और पट्टी के समय उसे पकड कर खड़ी रही। डॉक्टर ने दवा भी खाने के लिए दी। इलाज के बाद रात 9 बजे वे लोग घर आए। बुजुर्ग महिला अभी ठीक है और काम पर भी जाने लगी है।

पूर्णिमा वर्मा-मितानिन

टी.बी और कुष्ठ अभियान

इस वर्ष जुलाई से सितम्बर माह में 20 शहरों में मितानिनो द्वारा टी.बी. के 6019 मरीजों की पहचान की गयी जिसमें से 726 मरीजों में टी.बी. की पुष्टि की गयी। इसी तरह 1291 कुष्ठ के संभावित मरीजों की पहचान की गयी जिसमें से 187 मरीजों में कुष्ठ की पुष्टि की गयी

मितानिन ने किशोरी में टी.बी.के लक्षणों की पहचान कर उसका इलाज करवाया (वार्ड-25, बिलासपुर)

पारा में महिला आरोग्य समिति की बैठक की गयी। बैठक में एक 15 वर्षीय किशोरी बालिका भी आई और उसकी मां के मना करने पर भी उसने अपनी समस्या के बारे में मितानिन और समिति के सदस्यों को बताया। किशोरी ने बताया कि उसे बहुत दिनों से खांसी है और उसका वजन कम हो रहा है और बुखार भी आ रहा है। बैठक में उपस्थित मितानिन और सदस्यों ने किशोरी में टी.बी. के लक्षण को पहचान लिया और उसे मां के साथ अस्पताल चलने के लिए प्रेरित किया। किशोरी की मां ने अस्पताल जाने से मना कर दिया। मितानिन ने अपनी एम.टी. को किशोरी के बारे में बताया। एम.टी. और मितानिन दोनों ने दूसरे दिन जाकर किशोरी की मां को समझाया। किशोरी की मां मान गयी और किशोरी को मितानिन के साथ जांच के लिए अस्पताल भेज दी। अस्पताल में किशोरी की जांच में उसे टी.बी. निकला। डॉक्टर ने किशोरी की टी.बी. की दवा शुरू कर दी। कुछ समय पहले ही किशोरी की दवा पूरी हुयी और किशोरी की फिर से टी.बी. जांच में वह टी.बी. मुक्त हो गयी। **लता ठाकुर-मितानिन**

शरीर के दाग धब्बे छुपाना नहीं इलाज करवाना चाहिए (वार्ड-59, हरी नगर, कातुल बोर्ड, दुर्ग)

पारा की एक महिला 6 माह से शरीर में दाग धब्बों से परेशान थी। महिला सोचती थी कि ये सब अपने आप ठीक हो जाएंगे और कोई देखेगा सोचकर और शर्म के कारण किसी को नहीं बताती थी। पारा की मितानिन को एक दिन परिवार भ्रमण के दौरान महिला की पड़ोसी ने महिला के दाग धब्बों के बारे में बताया। मितानिन ने सबसे पहले तो महिला को यह विश्वास दिलाया कि वह इसके बारे में किसी को नहीं बताएगी और दूसरी बात महिला को समझाया कि शरीर में दाग धब्बे का इलाज भी दूसरी बीमारियों की तरह होता है। पहले तो महिला इलाज के लिए नहीं मानी परन्तु मितानिन ने बार–बार समझाने पर वह इलाज के लिए तैयार हो गयी। मितानिन ने महिला के दाग की जांच करवाई। जांच में महिला को कुष्ठ होने का पता चला और रिपोर्ट के आधार पर महिला का इलाज शुरू किया गया। **धानेश्वरी-मितानिन**

सही समय पर कुष्ठ की पहचान और इलाज हुआ (मिनीमाता चौक ट्रांसपोर्ट नगर, गौरिया पारा, कवर्धा)

पारा की एक 28 वर्षीय महिला के शरीर में दाग धब्बे हो गए थे। पारा की मितानिन पारा भ्रमण के दौरान उस महिला से मिली और उसके दाग धब्बे के बारे में बातचीत की। महिला ने मितानिन को बताया कि उसके शरीर में जो दाग धब्बे हैं उसमें उसे किसी तरह का कोई एहसास नहीं होता है। लक्षण के आधार पर मितानिन ने महिला की जांच की और उसे जिला अस्पताल लेकर गयी। जिला अस्पताल में महिला में कुष्ठ होने की पुष्टि की गयी और दवाई चालू की गयी। महिला अभी नियमित कुष्ठ की दवा खा रही है। **कीर्ति चतुर्वेदी-मितानिन**

मितानिन ने कुष्ठ की पहचान कर इलाज करवाया (वार्ड-52, रायपुर)

पारा की मितानिन प्रभा तिवारी को पता चला की पारा में एक व्यक्ति की नाक चपटी हो गयी है और उसके शरीर में भी दो चार जगह दाग धब्बे हैं। मितानिन ने उस व्यक्ति को अपने साथ जांच के लिए सरकारी अस्पताल चलने के लिए कहा परन्तु वह नहीं माना। मितानिन ने अपनी एम.टी. को उस व्यक्ति के बारे में बताया और दोनों ने मिलकर उसको फिर से समझाने का प्रयास किये। लेकिन वह व्यक्ति कोई बात नहीं सुन रहा था। मितानिन ने हार नहीं मानी और उसे समझाती रही की तुम्हारे छोटे बच्चे है उन्हें भी हो सकता है। मितानिन के बार–बार समझाने पर वह व्यक्ति जांच के लिए मितानिन के साथ सरकारी अस्पताल गया। अस्पताल में व्यक्ति को कुष्ठ होने की पुष्टि की गयी और दवाई चालू की गयी। दवा खाने के बाद से व्यक्ति ठीक है और मितानिन को धन्यवाद देता है। **प्रभा तिवारी-मितानिन**

मितानीन ने टी.बी. के मरीज को रोज अपने हाथ से दवा खिलाकर ठीक किया (हीरागिर दफाई, वार्ड-14, जिला-कोरिया)

पारा में एक टी.बी. का मरीज था। इस मरीज को दवा खाने में लापरवाही करने के कारण उसकी बीमारी बढ़ती जा रही थी। उस व्यक्ति के कारण उसके घर वाले भी परेशान हो गए थे। पारा की मितानिन सरिता के बहुत समझाने पर मरीज चिरमिरी स्वास्थ्य केंद्र गया। स्वास्थ्य केंद्र में मरीज की फिर से जांच की गयी और दवा के साथ समझाईश भी दी गयी कि अगर दवा ठीक से नहीं खाए तो इस बार आपका बचना मुश्किल है। मितानिन ने पूरी दवा अपने पास रखी और रोज समय पर जाकर मरीज को दवा खिलाती रही। नियमित दवा की पूरी डोज खाने से मरीज धीरे–धीरे पूरी तरह से स्वस्थ हो गया। **सरिता चौहान-मितानिन**

टी.बी. से गंभीर रूप से पीड़ित बच्ची की मितानिन ने इलाज करके जान बचायी (संतराम वार्ड-30, भाटापारा)

पारा में एक परिवार में ढाई वर्ष की एक बच्ची की तबियत ठीक नहीं थी। पारा की मितानिन परिवार भ्रमण के दौरान उनके घर बच्ची को देखने गयी। मितानिन ने देखा कि बच्ची की छाती के बाएं तरफ एक गांठ है। मितानिन ने बच्ची की मां से गांठ कब से पूछा तो उन्होंने बताया कि जन्म से है और इसमें से कभी–कभी मवाद भी निकलता और दर्द भी होता है। बच्ची के परिवार वाले बहुत गरीब है वे बच्ची का बहुत जगह इलाज करवा चुके थे परन्तु, बच्ची को कोई आराम नहीं मिला था। मितानिन ने बच्ची के परिवार वालों की सहमती से बच्ची को भाटापारा सरकारी अस्पताल लेकर गयी। जांच के बाद बच्ची को जिला अस्पताल बलौदाबाजार ले जाने के लिए बोला गया। मितानिन बच्ची को जिला अस्पताल लेकर गयी। बच्ची के घर वालों के पास राशन कार्ड, बच्ची का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड नहीं था। डॉक्टर ने बच्ची को जांच के बाद भर्ती करने बोले तो परेशानी आने लगी। मितानिन ने बी.एम.ओ. से बच्ची के बारे में बात की तो उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनवाने में मितानिन की मदद की। 7 दिन के बाद बच्ची को मेकाहारा रेफर किया गया। मेकाहारा में कुछ परेशानी के कारण डी.के. अस्पताल भेजा गया। डी.के. अस्पताल में बच्ची की जांच कर बताया गया कि बच्ची को टी.बी. के कारण गांठ गल रही थी। डॉक्टरों ने आपरेशन कर उस हड्डी को काटकर निकाला और मितानिन को दिखाए। अब बच्ची स्वस्थ होकर अपने घर वापस आ गयी है। **बबिता सोना-मितानिन**

किशोरी स्वास्थ्य पर मितानिन के प्रयास

किशोरी बैठक से किशोरी की बहुत बड़ी समस्या का समाधान हुआ (वार्ड-22, उड़िया पारा, महासमुंद)

पारा में किशोरी स्वास्थ्य पर बैठक की गयी। इस बैठक में पारा की बहुत सी किशोरियों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं पर चर्चा भी की। समस्याओं पर चर्चा के दौरान एक किशोरी ने अपने स्तन में गुठली और दर्द होने के बारे में बताया। पारा की मितानिन सरस्वती ने दूसरे दिन उस लड़की की मां से बातचीत कर उसे जिला अस्पताल में जांच करवाने की सलाह दी। लड़की की मां मितानिन के बात मानकर अपनी बेटी को दूसरे दिन मितानिन के साथ जिला अस्पताल लेकर गयी। अस्पताल में जांच में बताया गया कि लड़की के स्तन में गुठली बन रही है जिसे आपरेशन कर निकालना पड़ेगा नहीं तो यह स्तन कैंसर हो सकता है। डॉक्टर ने आपरेशन के लिए एक सप्ताह बाद का समय दिया। एक सप्ताह बाद लड़की का आपेशन कर गुठली निकाल दी गयी और आज वह लड़की एकदम स्वस्थ है।

सरस्वती पाण्डे-मितानिन

किशोरी बैठक में भाग लेने से हुआ किशोरी की समस्या का समाधान (वार्ड-39, डोमनहिल, चिरमिरी)

पारा में मितानिन के द्वारा किशोरी बैठक की गयी। बैठक में किशोरियों से माहवारी और स्वच्छता पर चर्चा की गयी और साथ ही जांच के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी ले जाया गया। जांच में बहुत सी लड़कियों का स्वास्थ्य ठीक पाया गया परन्तु एक लड़की में गंभीर खून की कमी पाई गयी। उस लड़की के शरीर में केवल 8 ग्राम खून पाया गया। डॉक्टर ने किशोरी को दवाईयों के साथ खानपान की सलाह दी। मितानिन के द्वारा किशोरी बालिका के परिवार से किशोरी के खानपान पर विशेष ध्यान देने और दवाइयों को समय पर खिलाने के लिए समझाया गया। मितानिन खुद भी सप्ताह में एक से दो बार किशोरी से मिलती रही और उसके खानपान के बारे में पूछती रही। सही समय पर ध्यान देने से दो तीन माह में ही किशोरी की स्थिति में सुधार आ गया और उसका हिमोग्लोबिन भी बढ़ गया।

मितानिनों के द्वारा किशोरियों की स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल (वार्ड-60, गेवरा, कोरबा)

गेवरा में मितानिन और एम.टी. के द्वारा पारा की किशोरी स्वास्थ्य पर चर्चा के लिए सामुदायिक भवन में बैठक की गयी। इस बैठक में पारा की 13 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया। एम.टी. और मितानिन के द्वारा किशोरियों को माहवारी स्वच्छता एवं माहवारी के दौरान होने वाले इंफेक्शन एवं खान–पान के बारे में उन्हें जानकरी दी गयी। सभी जानकारी सुनने के बाद कुछ किशोरियों ने सवाल भी किये। 2 किशोरियों ने सफेद पानी जाने की समस्या बताई तो 3 बालिकाओ में मितानिन ने जांच कर खून की कमी को पहचाना। बैठक के बाद मितानिन ने एम.एम.यू. गाड़ी से सभी बालिकाओं को लेकर अस्पताल गए और उनके खून की जांच करवाये। जिन बालिकाओं को समस्या थी उन्हें डॉक्टर को भी दिखाया। बालिकाओं को डॉक्टर ने दवा दी और सभी बच्चे अपने स्वास्थ्य की जांच को लेकर बहुत खुश हुए। जिन बालिकाओं को दवा दी गयी थी अभी वे पांचो ठीक है।

अनीता मिरी-मितानिन, नम्रता राठोर-एम.टी.

जन अधिकार के लिए महिला आरोग्य समिति के प्रयास

बालिकाओं से छेड़छाड़ करने वाले शिक्षकों पर समिति रोक लगायी (वार्ड-70, चंदनडीह, संत रविदास शीतला पारा)

शीतला पारा में एक माध्यमिक शाला है जहां कक्षा 6वीं से कक्षा 8वीं के बच्चे पढ़ते हैं। जिसमें बालिकाएं किशोरावस्था में है। पारा में महिला आरोग्य समिति की बैठक में बच्चों के माता–पिता द्वारा समिति के सदस्यों को बताया गया कि शाला में शिक्षक के द्वारा किशोरी बालिकाओं के साथ पढ़ाई के दौरान और उनके मोबाईल नम्बर मांगकर गलत व्यवहार और गंदे मैसेज किया जाता है। समिति ने यह निर्णय लिया की शाला के प्रिंसीपल से शिकायत करेंगे। दूसरे दिन एम.टी. और 3 मितानिन बाल सहयोगी के चयन के लिए शाला गए। बाल सहयोगी के चयन के बाद शाला के प्रिंसीपल से मिले और शिक्षक के द्वारा किये जा रहे गलत व्यवहार के बारे में बताया गया। प्रिंसीपल ने शिक्षक को बुलाकर डाटा और चेतावनी दी की अगली बार ऐसी शिकायत मिली तो सीधा जिला शिक्षा अधिकारी के पास शिकायत करेंगे। शिक्षक ने सभी से माफी मांगी। तीन माह बाद समिति के सदस्यों ने फिर से किशोरी बालिकाओं से शिक्षक के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया की अब सब ठीक है।

महिला आरोग्य समिति-संत रविदास नगर

मंदिर के रास्ते में शराब पीना समिति ने बंद करवाया (वार्ड-12, कचहरी पारा, बुढ़ामहादेव, कवर्धा)

पारा में हर माह की 12 तारीख को महिला आरोग्य समिति की बैठक की जाती है। इसी तरह एक माह पारा की मितानिन पारा में महिला आरोग्य समिति की बैठक की सूचना देने के लिए समिति के सदस्यों के घर गयी तो एक सदस्य ने बताया की पारा के पास बूढ़ा महादेव मंदिर जाने के रास्ते में शाम के समय शराबी रास्ते में बैठकर शराब पीते हैं और झिल्ली डिस्पोजल फेंकते हैं। शराबियों के मंदिर के रास्ते में बैठने से महिलाओं को शर्म आती थी और मंदिर जाने के रास्ते में बहुत गंदगी भी हो गयी थी। मितानिन ने समिति की बैठक में इस विषय पर चर्चा करेंगे बोला और दूसरे सदस्यों के घर सूचना देने के लिए चली गयी। दूसरे दिन समिति की बैठक में इस समस्या पर कार्ययोजना बनायीं गयी की पुलिस थाने में आवेदन देंगे। मितानिन ने आवेदन तैयार किया और समिति के सभी सदस्य मिलाकर थाने में जाकर आवेदन दिए। उसी समय पुलिस के द्वारा कार्यवाही की गयी और शाम के समय सभी शराबियों को खदेड़ा गया। उस दिन के बाद से मंदिर का रास्ता शराब मुक्त हो गया।

महिला आरोग्य समिति-कचहरीपारा

समिति ने राशन की गड़बड़ी को रोका (वार्ड-53, आदर्श नगर पोटिया, दुर्ग)

वार्ड के गायत्री नगर में पारा बैठक की गयी। बैठक में मितानिन प्रेरक, महिला आरोग्य समिति के सदस्य मितानिन और पारा की महिला और पुरुष भी भाग लिए थे। बैठक में स्वास्थ्य समस्या, शिक्षा, जल और स्वच्छता विषय पर चर्चा की गयी। इसी दौरान मितानिन ने बताया की अभी जो राशन दिया जा रहा है उसमें जो अतिरिक्त 5 किलो राशन दिया जाना है वह दुकानदार द्वारा नहीं दिया जा रहा है और जो राशन दिया जा रहा है वो भी वजन में कम है। बैठक में यह तय किया गया की बैठक के तुरंत बाद राशन दूकान जाएंगे और दुकानदार से कम राशन दिए जाने पर चर्चा करेंगे। बैठक के बाद महिला आरोग्य समिति के सदस्य और मितानिन व एम.टी. राशन दुकान गए और दुकानदार से पूछताछ किये। दूकानदार ने कम वजन का राशन दिए जाने की अपनी गलती मानी और अतिरिक्त राशन और कम वजन किया हुआ बकाया राशन सभी हितग्राहियों को दिया।

महिला आरोग्य समिति-आदर्श नगर, पोटिया

मितानिन और समिति के प्रयास से वृद्धा को मिला रहने-खाने का सहारा (सेक्टर-7, स्टेशन, भिलाई नगर)

भिलाई नगर स्टेशन में एक अकेली वृद्ध महिला उड़ीसा से आने वाली ट्रेन से आई थी। वह स्टेशन में सोती थी, कोई कुछ खाने को देता था तो खा लेती थी पर किसी से मांगती नहीं थी। स्टेशन से लगी बस्ती की महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को वृद्ध महिला दिखी तो वे उससे मिलने के लिए गए। महिला को बहुत बुखार था। समिति के सदस्यों और मितानिन वृद्धा को अपने साथ बस्ती लेकर आए और भोजन और दवा खिलाए। समिति ने उसे बोला कि उसे वे लोग वृद्धा आश्रम लेकर जाएंगे। वृद्धा आश्रम का नाम सुनते ही वह सभी का पैर पकड़ कर रोने लगी और बोली की मैं वृद्धा आश्रम नहीं जाउंगी इसी बस्ती में रहूंगी। समिति वालों ने मिलकर पारे में एक खाली पड़ी झोपडी के मालिक से फोन पर वृद्ध बेसहारा महिला की मदद करने के लिए बात की तो वह मान गया और उसे वृद्धा के रहने के लिए दे दिया। पारा के लोगों और समिति के फंड से वृद्धा के लिए झोपड़ी की मरम्मत और दरी, चादर, राशन की व्यवस्था की गयी। समिति ने मिलकर वृद्धा के लिए पलंग और कपड़े की भी व्यवस्था की। इसके साथ ही साथ सत्य साई फाउनडेशन से बात कर हर माह राशन भी दिलवाया जा रहा है। वृद्धा अपनी झोपडी में रहती, पकाती खाती है और किसी से कुछ नहीं मांगतीहै। हर माह समिति की बैठक में महिला भाग लेती है। वृद्धा पारा की मितानिन और समिति को अपना परिवार मानती है और मरने पर मितानिन को ही उसके शव को अग्नि देने की बात कहती है।

महिला आरोग्य समिति

पानी की समस्या पर मितानिन और समिति के प्रयास

मितानिन और समिति के प्रयास से पारा के लोगों को गंदे पानी से छुटकारा मिला
(वार्ड-19, मंगलपाण्डे वार्ड, मालवीबांध पारा, नमनाकला, अंबिकापुर)

नमनाकला में एक पानी की टंकी बनी हुयी है जिससे पूरे पारा के लोग पानी लेते हैं। कुछ दिनों से पारा के लोगों के द्वारा गंदा पानी आने की शिकायत की जा रही थी। इसी दौरान महिला आरोग्य समिति की बैठक की गयी। बैठक में पानी की समस्या की समाधान के लिए पहले टंकी के पानी की जांच की गयी। दूसरे दिन एम.टी. और मितानिन ने पानी जांच किट में पानी को काला पाया। समिति के द्वारा फिर से बैठक कर एक आवेदन तैयार कर एक प्रति नगर निगम को और एक प्रति पार्षद को दी गयी। दूसरे दिन पार्षद, मितानिन एम.टी. पूरे पारा में भ्रमण किये परन्तु उन्हें कहीं से पाईप फूटा हुआ नहीं मिला। अगले दिन फिर से बैठक की गयी जिसमें पार्षद को भी बुलाया गया। बैठक में समिति की महिलाओं ने पार्षद को पारा में कोई काम नहीं किया जा रहा है और पानी की समस्या को लेकर बहुत बात सुनाई गयी। पार्षद बैठक छोड़ कर चले गए और उनके द्वारा पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया। मितानिन ने फिर 1100 नम्बर में फोन किया और पानी की समस्या बताई। दूसरे दिन निगम से दो सफाई कर्मी भेजे गए जिन्होंने पानी की टंकी की सफाई कर दी। उसके बाद से पानी टंकी का पानी साफ मिलने लगा। **सरोज सिंह-मितानिन एवं महिला आरोग्य समिति**

समिति ने पानी जांच कर गंदे पानी की पहचान की और लोगों को बीमार होने से बचाया
(वार्ड-14, सदर उत्तर वार्ड, धमतरी)

धमतरी में मितानिनो को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने पारा के पानी के स्रोतों के पानी की जांच करने H2S किट दिया गया। समिति के सदस्य, मितानिन और पारा के कुछ लोग पारा के मुख्य पानी के स्रोत जहां से सभी घरों में पानी जाता है से पानी जांच किट की बोतल में पानी लिए। अगले दिन पानी जांच किट का पानी काला हो गया। समिति के सदस्यों ने और मितानिन ने इस बात की जानकारी पारा में सभी लोगों को दी। इसके साथ ही साथ पार्षद को भी इस बात की जानकरी दिए। पार्षद ने दो दिन तक कोई प्रयास नहीं किया। तीसरे दिन समिति के सदस्य और मितानिन पानी जांच किट और आवेदन लेकर नगर निगम गए और आवेदन दिए। एक सप्ताह के बाद नगर निगम से कर्मचारी आए और एक दो जगह से पानी का पाईप फुटा हुआ था उसे बनाए। समिति के द्वारा फिर से पानी की जांच की गयी जिसमें पानी साफ आया।

महिला आरोग्य समिति

समिति के सदस्यों की निगरानी से पानी के स्रोत के आसपास लोगों ने गंदगी करना बंद किया
(वार्ड-50, रानी दुर्गावती वार्ड, रायपुर)

इन्द्रात्मक नगर पुरैना में बोर के पास पीने का पानी भरने की जगह पर पारा के लोग कपड़ा और बर्तन धोते थे और नहाते भी थे। इन सब कारणों से बोर का पानी धीरे–धीरे गंदा आने लगा था। पारा की मितानीन और एम.टी. ने इस विषय पर चर्चा और समाधान के लिए महिला आरोग्य समिति की बैठक की। बैठक में पारा वासियों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया। दूसरे दिन पारा में पानी भरने की जगह लोगों की बैठक ली गई और उन्हें समझाया गया कि पीने के पानी के स्रोत के आसपास गंदगी करने से वह गंदगी स्रोत के अन्दर चली जाती है जिससे खुजली, उल्टी–दस्त, पीलिया जैसी बीमारी फैल सकती है। पारा के लोगों को मितानिन की बात समझ में आई और उन्होंने आगे से बोर के पास गंदगी नहीं करने का वादा किया। महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के द्वारा बोर की नियमित निगरानी की जाने लगी और किसी के द्वारा गंदगी फैलाने पर उन्हें तुरंत रोका गया। अब पारा के लोग पीने के पानी के स्रोत के आसपास गंदगी नहीं करते हैं।

महिला आरोग्य समिति-इन्द्रात्मक नगर